छह माह से ड्यूटी से गायब हैं 10 डॉक्टर

● हरिकिशन शर्मा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन पर अरबों रुपये खर्च कर सरकार भले ही स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार के दावे करे, लेकिन हकीकत इससे कोसों दूर है। राष्ट्रीय राजधानी से महज 50 मील दूर मेवात जिले में ही 10 डॉक्टर छह माह से बिना सूचना के ड्यूटी से गायब हैं। डॉक्टरों की बेरुखी के कारण हरियाणा के इस अल्पसंख्यक बहुल जिले की करीब 10 लाख की आबादी को इलाज के लिए दूर-दूर भटकना पड़ता है। एक भी स्त्री रोग विशेषज्ञ नहीं होने के कारण सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं को होती है।

मेवात के सरकारी अस्पतालों की जमीनी हकीकत का जायजा लेकर 'अमर उजाला' ने लोगों की परेशानी को शासन तक पहुंचाया। मेवात में जच्चा-बच्चा की मृत्यु के मामले काफी अधिक हैं फिर भी यहां सरकारी तो क्या, निजी अस्पतालों में भी कोई स्त्री रोग विशेषज्ञ नहीं है। महिलाओं को प्रसव के दौरान परेशानी होने पर पड़ोसी जिलों, गुड़गांव, अलवर, पलवल, फरीदाबाद या फिर दिल्ली आना पड़ता है। डॉक्टरों को मेवात से इस कदर परहेज है कि कुछ वहां जाने के डर से नौकरी छोड़ देते हैं, तो कुछ बिना बताए ड्यूटी से गायब रहते हैं।

मेवात के सीएमओ के एस राव का कहना है कि जिले में डॉक्टरों के 77 पद मंजूर हैं, लेकिन 57 की नियुक्ति हुई। इनमें से भी 10 काफी समय से बिना बताए गैरहाजिर हैं। मांडीखेड़ा और नूंह के सिविल अस्पताल से चार-चार डॉक्टर गायब हैं। इनमें से सात तो एक साल से अधिक समय से गैरहाजिर हैं। नगीना और पुन्हाना से भी एक-एक डॉक्टर छह महीने से गैरहाजिर हैं।

■ स्त्री रोग विशेषज्ञ न होने से महिलाएं सबसे ज्यादा परेशान

'मुझे इस बारे में जानकारी नहीं थी। मेवात में स्त्री रोग विशेषज्ञ की नियुक्ति की जाएगी। हम डॉक्टरों की तैनाती की जिलेवार रिपोर्ट मंगा रहे हैं, इनकी निगरानी के लिए एक सिस्टम भी तैयार किया जा रहा है।'

-गीता भुक्कल, स्वास्थ्य मंत्री

'मामले की पूरी जांच की जाएगी। गैरहाजिर डॉक्टरों के खिलाफ चार्जशीट तैयार होगी।'

-नवरोज संधू, स्वास्थ्य सचिव